हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 4 अगस्त, 2025

10 मेडिकल स्टोर की आड़ में नशे का धंधा, दो मेडिकल स्टोर सील

10 सीडीएलयू में जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन...

खबर संक्षेप

315 बोर की पिस्तौल और कारतूस सहित युवक काबू

भट्टूकलां। सीआईए फतेहाबाद की टीम ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुरेन्द्र कुमार निवासी भट्टू कलां के रूप में हुई है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक कुलबीर सिंह ने बताया कि हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम भट्टू कलां क्षेत्र में गश्त कर रही थी। जब टीम भट्टू कलां से खारा खेड़ी की ओर जा रही थी, तो तहसील कार्यालय के पास सडक़ किनारे एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस वाहन को देखकर वह भागने लगा, जिस पर टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक को काबू कर लिया।

एनडीपीएस मामले में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

भट्टूकलां। रतिया सदर पुलिस टीम ने 250 ग्राम अफीम बरामदगी के दो साल पुराने मामले में मुख्य सप्लायर बंशीलाल निवासी गुड्डा बिश्नोईया, जिला जोधपुर, राजस्थान वर्तमान में निवासी मीरा नगर, जोधपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में एक अन्य आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला दो वर्ष पूर्व उस समय सामने आया था जब गांव रत्ताखेड़ा में पुलिस टीम द्वारा नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक युवक ने पुलिस को देखकर संदेहजनक रूप से दिशा बदली, जिस पर उसे रोका गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम सचिन बिश्नोई निवासी रत्ताखेड़ा बताया।

बाजेकां में नशामुक्ति व पौधारोपण कार्यक्रम 4 को

सिरसा। निकटवर्ती गांव बाजेकां में ग्राम पंचायत की ओर से 4 अगस्त को पौधारोपण व नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सरपंच प्रतिनिधि राजिंद्र सिंह कंग ने बताया कि इस कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष यतींद्र सिंह एडवोकेट व भाजपा जिला सचिव बलजिंद्र जोसन बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने ने बताया कि सर्वप्रथम नशामुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम होगा। इसके बाद गांव में करीब 600 पौधे लगाए जाएंगे। राजिंद्र सिंह ने बताया कि नशे के प्रति गांव बाजेकां की पंचायत ने काफी संजीदगी दिखाई है और लगातार कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों के साथ-साथ दूसरे गांवों के लिए भी उदाहरण पेश किया है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे बढ़चढ़ कर इस कार्यक्रम में भाग लें और नशे के खात्मे के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी लगातार प्रयास करें।

इस दिन किसी तरह का अशुभ या भद्रा काल का साया नहीं

रक्षाबंधन 9 को, इस बार सर्वार्थ सिद्धि और श्रवण नक्षत्र योग बन रहा, तीन साल बाद बहनें दिन में किसी भी समय बांध सकती हैं राखी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भाई-बहन के पवित्र प्रेम को दर्शाने वाला रक्षाबंधन का त्योहार इस साल 9 अगस्त को मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन का त्योहार बेहद खास होने वाला है क्योंकि 3 वर्षों बाद ऐसा संयोग बना है जब राखी बांधने के लिए पूरे दिन का है। यानि कि राखी बांधने के लिए किसी शुभ समय का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पूरा दिन ही राखी बांधने के लिए शुभ होगा। बहनें इस दौरान किसी भी क्षण अपने भाई को राखी बांध सकती है। इस दिन किसी तरह का अशुभ या भद्रा काल का साया नहीं है।

ग्रहों की स्थिति रहेगी बेहद अनुकूल

बता दें कि पिछले 3 साल से लगातार ऐसा संयोग बन रहा था कि भद्रा के कारण कभी दोपहर तो कभी रात तक बहनों को राखी बांधने के लिए इंतजार करना पड़ा था, मगर इस बार ऐसा नहीं होगा। भद्रा काल 8 व 9 अगस्त की मध्यरात्रि के बाद ही समाप्त हो जाएगा। इससे 9 अगस्त को पूर्णिमा तिथि के साथ पूरा दिन रक्षाबंधन के लिए शुभ रहेगा। इस बार रक्षाबंधन पर ग्रहों की स्थिति बेहद अनुकूल रहेगी। आमतौर पर पूर्णिमा के दिन भद्रा की उपस्थिति होती है। जो शुभ कार्यों में बाधा मानी जाती है। भद्रा, सूर्य देव की पुत्री और शनि देव की बहन मानी जाती हैं और उनका वास कभी पृथ्वी, कभी पाताल और कभी स्वर्ग लोक में होता है। जब भद्रा का वास पृथ्वी पर होता है, तो वह अशुभ माना जाता है और ऐसे समय में राखी बांधना वर्जित होता है। पिछले तीन वर्षों में रक्षाबंधन के दिन भद्रा दोष के कारण विशेष समय मुहूर्त था।

फतेहाबाद। रक्षाबंधन को लेकर खरीदारी करती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 8 अगस्त को दोपहर 1:42 बजे से

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 08 अगस्त को दोपहर 1:42 बजे से लगेगी। उसी समय भद्रा भी आरंभ हो जाएगा, जो आठ अगस्त की रात 1:32 बजे तक रहेगा। पंचांग के अनुसार पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 8 अगस्त को दोपहर 2:12 बजे से होगी और समापन 9 अगस्त को दोपहर 1:24 बजे होगा। रक्षाबंधन के दिन यानी 9 अगस्त को राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 47 मिनट से शुरू होकर दोपहर 1 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा किसी भी समय राखी बांधी जा सकती है।

अत्यंत शुभ माना जाता है सर्वार्थ सिद्धि योग

श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा के अनुसार सर्वार्थ सिद्धि योग अत्यंत शुभ योग माना जाता है। इसमें किसी भी प्रकार के कार्य को प्रारंभ करना बहुत ही फलदायी होता है। श्रवण नक्षत्र, वैदिक ज्योतिष में 22वां नक्षत्र ज्योतिष है, जो सुनने की क्षमता, ज्ञान और बुद्धि का प्रतीक है।

14 अगस्त को फरीदाबाद में मनाया जाएगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

भारत-पाक विभाजन के समय शहीद हुए लाखों पंजाबियों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

विधायक विनोद भ्याना ने पत्रकारों से की बातचीत, कार्यक्रम में सीएम सैनी होंगे मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हांसी के विधायक विनोद भ्याना ने कहा कि भारत पाक विभाजन के समय 1947 के समय को भारत के पंजाबी समुदाय के लोग कभी नहीं भुला पाएंगे। इस बंटवारे में लाखों पंजाबी लोग शहीद हो गए थे, अनेकों की बहन बेटियां बिछड़ गई थी और अनेक लोगों को विभाजन की कुर्बानी का दंश झेलना पड़ा था। विनोद भ्याना रविवार को बीजेपी कार्यालय में 14 अगस्त को फरीदाबाद में मनाए जाने वाले विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को लेकर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर 14 अगस्त को फरीदाबाद में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे, जिसमें लाखों शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। विनोद भ्याना को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की तैयारियों के लिए फतेहाबाद का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इस स्मृति दिवस पर 1947 भारत-पाक बंटवारे के दर्दनाक लम्हों को स्मरण किया जाएगा। इस स्मृति दिवस पर लगभग 10 लाख लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। विनोद भ्याना ने कहा कि कार्यक्रम में पंडाल भाजपा के रंग में न रंगकर उसे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के रंग में रंगे कपड़े के साथ सजाया जाएगा। फरीदाबाद में आयोजित कार्यक्रम स्थल के प्रवेश द्वार से लेकर कार्यक्रम स्थल तक हवा में लहराते और वीरों की कहानी को ब्यां करते राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को देखा जा सकेगा। इसके अलावा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इस कार्यक्रम में देश-प्रदेश से लोग बड़ी संख्या में पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम में लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तमाम प्रबंध किए जाएंगे।

फतेहाबाद। बीजेपी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते विनोद भ्याना। फोटो: हरिभूमि

एक सप्ताह बाद बदला हुआ दिखेगा फतेहाबाद: भ्याना

बीजेपी कार्यालय में विनोद भ्याना उस समय असहज नजर आए, जब पत्रकारों ने उन्हें अधिकारियों के कार्यालय में मौजूद न रहने, लोगों के काम न होने व फतेहाबाद के विकास के मामले में पिछडऩे के सवाल दागे। पत्रकारों ने विनोद भ्याना से पूछा कि अधिकारी अपने कार्यालय में आते ही नहीं, समाधान शिविर मायने खोते जा रहे हैं, यहां तक कि भाजपा के चुनी हुई पंचायती राज संस्थाओं के प्रधान उपप्रधान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जा रहे हैं। अनेक लोगों ने कहा कि यहां कांग्रेसी विधायक हैं, वह डूबी फसलों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई कौन करेगा। सरकार का कोई नुमाइंदा नहीं है, अधिकारी दफ्तरों में आते नहीं है, ऐसे में किसानों की डूबी फसलों के मामले में किसानों की सुध कौन लेगा। विनोद भ्याना ने इस पर कहा कि आप एक सप्ताह इंतजार करो, तब आपको बदला हुआ रूप नजर आएगा। बता दें कि प्रदेश सरकार ने जहां-जहां भाजपा के प्रत्याशी हारे हैं, वहां पर जीते हुए विधायकों की ड्यूटी लगा रखी है। फतेहाबाद से दुड़ाराम के हारने के बाद यहां पर हांसी के विधायक विनोद भ्याना को प्रभार सौंपा गया है।

बारिश से डूबी फसलों की होगी विशेष गिरदावरी

विनोद भ्याना ने कहा कि बारिश से डूबी फसलों की विशेष गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। बता दें कि पिछले 3 दिनों से फतेहाबाद में हो रही भारी बरसात भट्ट का सेमग्रस्त डूब गया है। इसके अलावा फतेहाबाद हलके के गांव बनगांव में 12 हजार एकड़ भूमि में पानी भरा हुआ है, जिससे नरमा व धान की फसल डूब गई है। इसके अलावा जिले के अनेक गांवों में जलभराव हो गया है। गांव खाराखेड़ी में जलघर में घुसने से वहां दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। भट्ट के गांव दैयड़, ठुईयां, पीलीमंढौरी, फतेहाबाद के गांव बड़ोपल, खाराखेड़ी, चिंदड़ की सेमग्रस्त भूमि में फसलें डूब गई हैं। भ्याना ने कहा कि सरकार किसान हितैषी है और खराब हुई फसल की विशेष गिरदावरी करवाई जाएगी।

ये रहे मौजूद

प्रैसवार्ता में बीजेपी के जिला प्रधान प्रवीन जोड़ा, एससी आयोग के चेयरमैन रविंद्र बलियाला, मीडिया प्रभारी कंवल चौधरी, शम्मी धींगड़ा, जगदीश शर्मा, नगर परिषद के पूर्व प्रधान दर्शन नागपाल, नरेश टीटू, अशोक जाखड़ सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

क्रिकेट सटोरियों का आतंक

नाबालिग को जाल में फंसाकर लाखों का सोना-नकदी ठगने का आरोप

- चिट्टे से भी खतरनाक है क्रिकेट सटोरिये

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर के प्रमुख क्रिकेट सटोरियों के खिलाफ एसपी सिद्धांत जैन द्वारा कार्रवाई करने के बाद अब सटोरियो से पीड़ित लोग खुलकर सामने आने लगे हैं। दरअसल शहर में करीब तीन दर्जन प्रमुख क्रिकेट सटोरियो ने करीब 200 युवाओं को उजाड़ रखा है। एसपी सिद्धांत जैन के यहां आते ही सटोरियों के जाल में फंसे युवकों के परिजनों ने शिकायत दी तो पुलिस ने सटोरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। रविवार को भी शहर के एक युवक ने एसपी को शिकायत देकर 5 सटोरियो के खिलाफ नाबालिग को जाल में फंसाकर लाखों का सोना व नकदी ठगने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद एसपी ने इकनॉमिक सैल को जांच सौंप दी है। इकनॉमिक सैल ने शिकायतकर्ता व उसकी पत्नी के ब्यान भी दर्ज किए है। उधर, एक आरोपी की मां ने शिकायतकर्ता व उसके परिजनों पर क्रॉस आरोप जड़े हैं। एसपी को दी शिकायत में सतीश कॉलोनी निवासी विकास कुमार ने आरके कॉलोनी निवासी वंश मदान व उसके भाई के अलावा बरोखा निवासी करण सेठी, धर्मशाला रोड स्थित पीआर ज्वेलर्स, थाना रोड स्थित आरएस ज्वेलर्स व डीएसपी रोड निवासी मनीष कुमार के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाए हैं। विकास कुमार का आरोप है कि वर्ष 2023 में जब उनका बेटा नाबालिग था तो मदान ब्रदर्स ने उसे क्रिकेट सट्टा लगाने और ऑनलाइन गेमिंग में करोड़ों रुपये कमाने का लालच लालच देकर सट्टे के धंधे में धकेल दिया। इस धंधे में 2023 में उसका नाबालिग बेटा साढ़े चार लाख रुपये हार गया। आरोप है कि रकम वसूली के लिए मदान ब्रदर्स विकास कुमार के बेटे को परेशान करने लगे तो विकास कुमार के बेटे ने मां को बात बताई। शिकायत में आरोप है कि मदान ब्रदर्स उसे इस घटना के बाद भी अपने जाल में फसाए रखा और उसे आईडी लिंक देकर क्रिकेट सट्टा लगाने के लिए उकसाया। इस सट्टे में विकास का बेटा पहले दो लाख और फिर सात लाख रुपये हार गया।

आरोपी आपस में मिले हुए

शिकायत में विकास कुमार ने बताया कि जब वह मोनू सोनी के पास गया तो मोनू सोनी ने कहा कि उसने यह सोना गलाकर बेच दिया है। विकास का आरोप है कि उपरोक्त आरोपी आपस में मिले हुए हैं और उसके बेटे के भोलेपन का फायदा उठाकर 57 तोले सोना के जेवरात व लाखों रुपये खुर्द बुर्द कर दिए हैं।

आरोपी की मां ने लगाए क्रॉस आरोप

इस मामले में आरोपी मदान ब्रदर्स की मां ने भी पुलिस कप्तान को शिकायत देकर कहा है कि विकास का बेटा ऑनलाइन गेम खेलने का आदी था और इसी आदत के चलते ही उसे नुकसान हुआ। विकास की धर्मपत्नी के आग्रह पर ही उनका सोना गिरवी रखवाया। मदान ब्रदर्स की मां का आरोप है कि विकास की पत्नी ने ही उनके बेटों को बहला फुसलकार सोना गिरवी रखने के लिए सुनारों के पास भेजा।

फर्जी वीजा के नाम पर 17 लाख ठगे

- पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

स्ट्रेलिया भेजने का सपना दिखाकर 17 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को भूना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी मंजीत सिंह उर्फ लड्डू निवासी एबेन अमृतसर एक संगठित गिरोह का सदस्य बताया जा रहा है, जो विदेश जाने के इच्छुक युवाओं को झांसा देकर लाखों रुपये हड़पता है। पुलिस के अनुसार, रहनखेड़ी निवासी हरपाल सिंह ने शिकायत दी थी कि उसका भतीजा गुरपेज सिंह ऑस्ट्रेलिया वर्क वीजा पर जाना चाहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात रिश्तेदार जसपाल सिंह गांव आहलुपुर, जिला मानसा से हुई, जिसने बताया कि वह भी विदेश जाने की प्रक्रिया में है और अमृतसर के गांव बोधगिलवाली निवासी मंजीत सिंह को 12 लाख रुपये दे चुका है। हरपाल सिंह ने बताया कि 23 जून 2023 को मंजीत सिंह गुरपेज से मिला और 17 लाख रुपये में ऑस्ट्रेलिया भेजने की बात तय हुई।

आरोपी मंजीत सिंह उर्फ लड्डू पुलिस हिरासत में।

सड़क पर बरसाती पानी से दुकानदार परेशान

- दुकानदारों का आरोप: बार-बार अवगत करवाने के बावजूद भी प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭कालांवाली

शहर के मॉडल टाउन में एसबीआई बैंक के सामने और रोहतक बवासीर अस्पताल के सामने सडक़ पर बरसाती पानी की निकासी ना होने के कारण जलभराव हुआ पड़ा है। जिसके चलते दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि बार-बार अवगत करवाने के बावजूद भी उपमंडल प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा। जब वो नगरपालिका प्रशासन के पास जाते है तो वो कहते है हुडा विभाग से संपर्क करें। जब हुडा विभाग के पास जाते है तो वो कहते है नगरपालिका प्रशासन से बात करें।

सिरसा। एसबीआई बैंक के सामने जमा बरसाती पानी को दिखाते दुकानदार।

पार्षद ने दिया आश्वासन

शहर के वार्ड नंबर 14 के पार्षद प्रतिनिधि गोबिंद शर्मा ने मौके पर पहुंचकर दुकानदारों की समस्याओं को जाना और दुकानदारों की समस्याओं को दूर करवाने का आश्वासन दिया।

दुकानदारों लक्खा सिंह, डॉ रमन, दीपक सिंगला, रोहित, जतिन गर्ग ने बताया कि मॉडल टाउन शहर का सबसे पॉश एरिया है। लेकिन इसमें सुविधाएं स्लम एरिया से भी बदत्तर है।

13 किलो चूरापोस्त सहित दो काबू

- पुलिस का नशा तस्करों पर शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने नशा तस्करों के पर शिकंजा कसते हुए जिला के गांव धोलपालिया क्षेत्र से दो नशा तस्करों को 13 किलोग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी अशोक कुमार ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान जसवंत व बलवंत के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव धोलपालियां के बस अड्डा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक प्राइवेट बस से दो लोग उतरे जिनके हाथों में प्लास्टिक के थैले थे। दोनों पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर दोनों को काबू कर उनके थैलों की तलाशी ली तो उसमें से 13 किलोग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ।

सिरसा। पकड़े गए चूरापोस्त तस्कर। फोटो: हरिभूमि

कई वर्षों से घरों व कालोनियों के ऊपर से गुजर रही है लाइनें

बिजली की डेंजरर्स लाइनों को हटाने का रास्ता साफ

- अब सर्कल में लोकल पैनल पर आधारित ठेकेदारों से डेंजरर्स लाइनों को हटवाएगा डीएचबीवीएन

सुरेंद्र असीजा ⏭फतेहाबाद

दक्षिण हरियाणा में कई वर्षों से घरों व कालोनियों के ऊपर से गुजर रही बिजली की डेंजरर्स लाइनों को हटाने का रास्ता अब साफ हो गया है। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के चीफ ने इन लाइनों को हटाने के लिए डीएचबीवीएन के सर्कल पैनल में शामिल ठेकेदारों से काम करवाने की स्वीकृति दे दी है। लोकल ठेकेदारों से काम करवाने की अनुमति के बाद अब लाइनों को हटाया जा सकेगा। बता दें कि इससे पूर्व यह काम दक्षिण हरियाणा में एक साथ किसी बड़ी कम्पनी से करवाया जाना था। प्रदेश में ठेकेदार न मिलने से यह काम दो बरसों से अटका पड़ा था। वर्ष 2023 में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने एक सर्वे के आधार पर पाया कि शहरी क्षेत्र में कालोनियों, घरों के ऊपर व कमर्शियल भवनों के ऊपर से बिजली की हाई टेंशन डेंजरर्स तारें गुजर रही हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। निगम ने इस सम्बंध में आदेश जारी कर इन लाइनों को हटाने का फैसला लिया लेकिन दो सालों तक लगातार प्रयास करने के बावजूद निगम को कोई ठेकेदार या एजेंसी नहीं मिली। अब इस सप्ताह डीएचबीवीएन के सभी सर्कलों के चीफ व कार्यकारी अभियंताओं को पत्र जारी किया गया है। जिसमें लाइनों को हटाने का काम सर्कल में लोकल ठेकेदारों से करवाया जाना है। बता दें कि फतेहाबाद में इस समय 6 सब डिवीजन में 100 से अधिक डेंजरर्स लाइनें गुजर रही हैं।

दो साल पहले सर्वे के मिले थे आदेश

दो साल पहले डीएचबीवीएन के आदेश आए थे कि शहर में जितनी भी डेंजरर्स तारें घरों के ऊपर से गुजर रही हैं, उनका सर्वे करवाया जाए। मुख्यालय के आदेशों के बाद सर्वे करवाया गया। इसके बाद निगम का आदेश आया कि इन डेंजरर्स लाइनों को हटाया जाएगा लेकिन ठेकेदार न मिलने से यह काम बीच में ही लटक गया। अब आदेश आए हैं कि लोकल ठेकेदारों से लाइनों को हटवाने का काम करवा लिया जाए। जल्द ही यह काम शुरू करवा दिया जाएगा।

-संदीप मेहता, कार्यकारी अभियंता डीएचबीवीएन

फतेहाबाद डिवीजन के 6 उपमंडलों में डेंजरर्स लाइनें

सब डिवीजन	लाइनें
सिटी फतेहाबाद	18
सब अर्बन फतेहाबाद	19
सब अर्बन रतिया	20
सिटी रतिया	20
भट्टू	11
बड़ोपल	23

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप-प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे।

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अब तो शारदा को बिना आवाजों के जीने की आदत हो गई है और साहब को भी अब बिना आवाजों के जीना पड़ेगा.....क्योंकि आवाजें चली गई हैं... सदा सदा के लिए... हालांकि कभी-कभी वह महसूस करता है कि आवाजें जरूरी होती हैं....क्योंकि वह हमारे होने का पता देती हैं.... आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें भी हैं..... आवाजें हमारी श्रवण शक्ति का प्रमाण ही तो हैं... आवाजें न हों तो हमारे न होने का भ्रम पैदा होता है..... लगता है जैसे हम हैं ही नहीं... लेकिन आवाजें चली गई और अपने साथ कानों को भी लेती गई.... शारदा घर में थी तो जैसे उसकी खुसर-पुसर ... दबे पांव चलने की कलाकारी ... जिंदगी का पता देती थी... लेकिन अब तो तमाम फुसफुसाहटें बीते जमाने की बातें हो गई हैं। शारदा को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती ... जब उसे सिंक में बर्तन साफ करने होते ... हालांकि वह बहुत ध्यान से एक एक बर्तन पर विम लगाती ... फिर पानी की टोंटी का प्रैशर ध्यान से खोलती ... पानी गिरने की आवाज भी कभी-कभी उसे चौंका देती... खासकर तब, जब बर्तन बड़ा होता और साहब घर पर होते... लेकिन वह झट से पानी को और भी कम कर देती क्योंकि साहब को आवाजें पसंद नहीं ...

उसे याद है शादी के बाद एक दो-बार को छोड़कर कभी भी साहब को यह नहीं कहना पड़ा..... शारदा..sss.....अब तो साहब ने कालेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है। ज्यादातर घर ही रहते हैं। लिखते-पढ़ते हैं और पेंशन के अलावा अपने लिखने से ही काफी कमा लेते हैं। वे अखबारों में लिखते हैं ... किताबें लिखते हैं... उनके पास दुनियाभर की बातें होती हैं ... लिखने को अकेले घंटों बैठे रहते हैं और हुक्का गुड़गुड़ाते हैं । हुक्का भी उनका छोटा सा ही है..... क्योंकि उन्हें पता है... बड़ा हुक्का ज्यादा आवाज करता है । शारदा की और साहब की उम्र में हालांकि 12 साल का फासला है... लेकिन फिर भी शारदा को अपना चुपजदा जीने का ढंग सीखने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके लिए वह अपनी दादी मां की बड़ी शुक्रगुजार है। उसे याद है जब वह छोटी थी ...महज 9 साल की ... पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी । बड़ा परिवार था । सब भाई बहन खाना खा रहे थे ।खाना खाकर शारदा ने जोर से डकार मारी...तो दादी ने तुरंत उसकी क्लास ले ली थी... ए !! लड़की !! ये क्या बेशर्मी है ? कुछ तो तमीज सीख ले... इतनी बड़ी हो गई है... और किसी बात की लियाकत नहीं है। खबरदार !! जो इतनी जोर से डकार मारी... अगले घर जाएगी... तो नाक कटवाएगी अपने बाबा की । बाबूजी भी सुनकर भीतर आए थे ... उसे याद है ... हालांकि बाबूजी ने तो उस दिन उसी की तरफदारी की थी। उन्होंने कहा था 'अरे ! क्या अम्मा ..छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को डांटती हो... हो जाएगी सयानी अम्मा... अभी बच्ची है...। अम्मां को हालांकि दादी का डांटना बुरा लगता था। लेकिन वह कभी बोल कर उनका विरोध नहीं करती थी । बहुत हुआ तो बस किसी बहाने से बच्चे को पकड़ कर अंदर ले जाती थी। घर में... खासकर लड़कियों का ऊंचा बोलना ... खाते वक्त पचर-पचर की आवाज करना... जोर से दरवाजा बंद करना... कुंडी को जोर से खोलना व जोर से हंसना ... बिल्कुल बैन था। उसे याद है जब एक बार सब आंगन में बैठे थे । शाम का वक्त था ... बड़े पलंग पर बच्चे मस्ती कर रहे थे... कि बड़की ने पाद मार दिया और सब बच्चे हंसने लगे, पहले धीरे-धीरे फिर जोर जोर से... छोटू की हंसी तो रुक ही नहीं रही थी.... कि दादी से रहा नहीं गया और वह फट पड़ी... क्या बेशर्मों की तरह दांत निकाल रहे हो..... कुछ तो शर्म करो... बड़े छोटे की ... और छोटू ने कहा था ..'दादी अम्मा !! बड़की ... और... बड़की चुपचाप उठकर अंदर चली गई थी। उस दिन शारदा को एक सबक मिला और फिर वह इस तरह की समस्याओं से निपटना सीख गई। साहब तो शादी भी नहीं करना चाहते थे । उन्हें छब्बीस साल की उम्र में नौकरी मिली और करीब सात साल तक शादी से बचते रहे। हालांकि इस बीच परिवार का दबाव भी आया। लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। कॉलेज में भी ले देकर एक मित्र था उनका, जिससे उनकी पटती थी । उसने भी बहुत कहा... 'यार ! शादी कर लेता.. तो हम भी तेरी बारात में नाच लेते एक दिन ... बीयर वीयर पीकर । कसम से ... आज तक नाचा नहीं हूं ... यार !! और यह हसरत मेरे साथ ही जाएगी...तो देख! तुझे पाप लगेगा .. देख ले... और साहब हंस कर टाल जाते। फिर एक दिन इतवार को वे अपनी बूढ़ी अम्मा के साथ शारदा को देखने आए। शारदा तब इक्कीस की थी और बी. ए. करके पढ़ाई छोड़ चुकी थी। साहब तैंतीस के हो चुके थे और शारदा उनसे बारह साल छोटी थी.. लेकिन गनीमत यह थी कि साहब तैंतीस के लगते नहीं थे और शारदा का भरा हुआ शरीर उसे किसी भी कीमत पर पच्चीस से नीचे दिखाने को तैयार नहीं था। साहब को भी अब जिंदगी की सच्चाई का पता चलने लगा था। भाई वाई सब अपने -अपने काम धंधे जमा कर अपना अलग आशियाना बसा चुके थे। घर में मां और वे बस दोनों ही रह गए थे। मां की क्षमताएं अब धीरे-धीरे चूक रही रही थी तो उनका मन बना कि चलो अब शादी की जानी चाहिए और वे शारदा को देखने पहुंच गए।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर । शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे। बाबूजी की उन्होंने बस दो बातें मान ली थी कि .. एक... इतवार को मुहूर्त नहीं है, अतः आप गुरुवार को आएं...और दूसरी ... हमारी अम्मा जी चाहती हैं कि वरमाला के साथ फेरे जरूर हों और यह दोनों बातें साहब ने मान ली थी । बाकी तो बाबूजी, अम्मा जी और शारदा भी किसी प्रकार के ढोल ढप्पर और बड़े तामझाम के पक्ष में नहीं थे। शारदा जब आई तो उसने देखा कि उसका खूब सारी जगह में खूब सारे दरख़्तों के बीच तीन कमरों का अस्त-व्यस्त मकान है। उसके सभी कमरे लाइब्रेरीनुमा हो गए हैं। अम्मा जी के कमरे में भी किताबें हैं। साहब का कमरा तो है ही किताबों का समंदर। बाहर बरामदे में भी यत्र-तत्र पुराने अखबारात, तरह-तरह के रसाले, चिट्ठियां, पत्रिकाएं भरी पड़ी हैं। पीछे खूब बड़ा सा गुसलखाना है लेकिन लकड़ी का एक पुराना रैक वहां भी है और उस पर भी नए-पुराने अखबार, पत्र -पत्रिकाएं पड़ी हैं। दो बड़े कमरों के बीच रसोई है तथा दोनों कमरों व रसोई से बाहर निकलो तो बरामदे में एक बड़ा दरवाजा आने-जाने के लिए है। यानी बरामदे के दरवाजे को बंद कर दो तो फिर कमरा और रसोई को बंद करने की कोई जरूरत नहीं रहती । शारदा को करीब एक सप्ताह लगा... कि उसने घर को एक करीना दिया। अब सब कुछ यहां व्यवस्थित था। शारदा को शुरू में बहुत ताज्जुब होता कि यहां आवाजें बहुत कम सुनाई देती हैं। साहब और अम्मा जी बाहर पेड़ों के नीचे घंटों बैठे रहते लेकिन बिल्कुल चुपचाप .... कभी कुछ उनमें बातचीत भी होती तो बिल्कुल धीरे-धीरे फुसफुसाते हुए। कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब कुछ लिख रहे हैं या पढ़ रहे हैं और अम्मा जी चुपचाप बैठी हैं और उन्हें देखती रहती हैं या कि कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। एक निश्चित समय पर शारदा चाय बना लाती। तीनों चुपचाप बैठकर चाय पीते। अब तो शारदा साहब के देखने भर से समझ जाती हैं कि उन्हें क्या चाहिए या की चाय कैसी बनी है। साहब की पसंदगी-नापसंदगी सब पता है शारदा को। यहां तक कि साहब के साथ बिस्तर पर भी... हालांकि शुरू-शुरू में उसकी सांसें खूब तेज हो जाती थी। अंतरंग क्षणों में और चरम पर पहुंचकर वह खूब जोर से चीखना चाहती.... फिर एक बार साहब ने उन्हें फुसफुसाते हुए ..कहा था कि सांसों को व्यवस्थित रखने से समय बढ़ता है और आंखें बंद कर इस आनंद को पी जाने से चरम सुख कई गुना हो जाता है। सुनकर वह चौक गई थी और बीच रास्ते से ही वापस लौट आई थी। अब तो खैर बच्चे हो गए हैं और बच्चे भी चुपचाप ही हुए शारदा को .... निक्की के समय तो उसे समझ ही नहीं आया काफी समय कि यह सब कैसे होगा.... डॉक्टर को ताज्जुब हो रहा था कि यह कैसे चुपचाप आंखें बंद किए लेटी है। ऐसे समय में बहुत सी औरतें तो पूरा बखेड़ा खड़ा कर देती हैं। आसमान सिर पर उठा लेती हैं। हालांकि डिलीवरी घर पर ही हुई दोनों ... लेडी डॉक्टर घर पर ही आ गई थी। असल में शारदा को टेक्निक थोड़ी लेट समझ आई। डॉक्टर बार-बार कह रही थी कि जोर लगाओ... को-ऑपरेट योरसेल्फ ... लेकिन शारदा कंफ्यूज की ... जोर कहां लगाना है ... उसे नहीं पता कि को-ऑपरेट किसको करूं? सेल्फ मतलब कौन ? वो तो भला हो उस नर्स का जो डॉक्टर के साथ आई थी उसकी हेल्प करने को ... जब डॉक्टर थोड़ी देर के लिए वॉशरूम गई तो नर्स ने उसे फुसफुसाते हुए एक सूत्र बताया कि.. बीबी जी जब टॉयलेट जाते हैं तो कैसे जोर लगाते हैं.. पता है ना? तो बस! वैसे ही जोर लगाओ... और कमाल की टेक्निक उसके हाथ लगी ... अगली पांच-सात मिनट के बाद निक्की उसके पास सो रही थी। असल में फुसफुसाकर कही गई बातें शायद शारदा को जल्दी समझ में आती हैं। और फिर प्रसव पीड़ा का इजहार तो वह इसलिए भी नहीं करना चाहती थी कि उसे पता था ... साहब बाहर शहतूत के नीचे चुपचाप बैठे हैं और उन्हें बुरा लगेगा। कुक्कू के वक्त तो बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उसे डॉक्टर की बात याद थी कि को-ऑपरेट योरसेल्फ ...और कुक्कू बड़े आराम से आ गया.. डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही ... चुपचाप ... बिना आवाज ...मां बनने के बाद तो शारदा और भी कुछ आवाजों की अभ्यस्त हो गई है। वह इन आवाजों में कुछ बेआवाज तलाश रही है। वह जो चुपचाप चला आता है... वात्सल्य ... और दोनों स्तनों से बहता हुआ... वह जीवन द्रव्य कभी आवाज नहीं करता। रात को कुक्कू कुनमुनाता है तो न जाने कब चुपचाप यह जीवन- रस-स्रोत उसके छोटे-छोटे होठों के बीच पहुंच जाता है ...और साहब बिलकुल बेखबर सोते रहते हैं।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

कविता पं. कमल कांत भारद्वाज

सावन रस

सावन आया, सावन आया
देखो बादल और वर्षा लाया

डाल-डाल पर झूले डले हैं
चारों और फूल खिलें हैं

कोयल मोर पपीहा बोले
आओ सब मिल मल्हार बोलें

कान्हा से राधा बोलीं
बजाओ कान्हा तुम मुरली

इस वर्षा में सब भीगे रहें हैं
अपने मन को सब सींच रहे हैं

धरती यौवन से झूल रही है निर्जन
आँखों को आशाएं घेर रही हैं

कलियों पर आया उभार है
भँवरों पर चढ़ा मादकता का ख़ुमार है

सावन आया सावन आया
मनोरम मनभावित दृश्य है बनाया

कविता डॉ.कंचन मखीजा

मैं क्या हूँ

मैं अन्न का एक अंश हूँ-
जैसा दोगे भोजन,वैसा शरीर बन जाऊँ।
शुद्ध सात्विक अन्न मिले तो बनूँ ऊर्जा-
दूषित मिले आहार तो रोग विकृत बन जाऊँ।।
मैं विचारों की गूंज हूँ-
शब्दों के स्पंदन से मन की ध्वनि सुनाऊँ।
जीवन दिशा को तय करने वाला-
सूरज मैं बन जाऊँ।।
मैं व्यवहार की छाया हूँ-
कर्म कृति में आकर कर जाऊँ।
पीछे जो छूटा वो बंधन हूँ -
रक्त हृदय में बन जाऊँ।।
अन्न को समझों, मन को साधो,
चाल-ढाल से जीवन को मांझों।
आहार, विचार, व्यवहार में सच की-
दिव्य दृष्टि से खुद को आँको।।
अभी समय है, संभलो तुम,
भाव भक्ति के भर लो तुम।
आत्म ज्योति प्रदीप्त करो और-
जग में ओज बिखेरो तुम।।
विलय करो सब न्यून अहम् ।
योगः कर्मसु कौशलम् ।।

कविता सुमन जाजू

सैनिक भाई को पत्र

मैया, ये राखी भेज रही हूँ,
तेरे नाम का तिलक सहेज रही हूँ।
सीमा पर जो तू डटा खड़ा है,
वो मेरा गर्व, मेरा गहना बड़ा है।

तेरी बहन आज नहीं रोएगी,
तेरे साहस पर बस नाज़ ही बोलेगी।
हर साल जब तू दूर रहा,
मैंने राखी को और मजबूत कहा।

मैया, तू सिर्फ मेरा नहीं,
ये भारत माँ का वीर सपूत सही।
तेरी वर्दी में जो तेज है झलकता,
हर बहन का आशीष तुझमें दमकता।

तेरी हर गोली में विश्वास है,
तेरे कदमों में पूरा आकाश है।
जहाँ तू है, वहाँ डर की जगह नहीं,
तेरे जैसा भाई, हर बहन को कहीं नहीं।

आज मैं बाँध रही हूँ शब्दों की डोरी,
जिसमें प्रेम भी है, शक्ति की बोरी।
तू जिए सौ साल, वीरता के संग,
तेरे नाम का गाए ये भारत हर रंग।

राखी का ये धागा, तुझ तक उड़ चला,
देशभक्ति में रंगा, मेरा अभिमान चला।
सैनिक भाई, तू लौट के जल्दी आना,
तेरी बहन ने फिर गुलाब जामुन है बनाना।

कविता डॉ.कमलेश मलिक

सावन की बहार

बहें झोंके पवन के
जब बहारें झूम सी उठतीं
कहीं पीड़ा जगा देता
बरस जाता कहीं बादल
धरा का उर धड़क उठता
लहराता कहीं आंचल

दहकता है कहीं जियरा
हिलोरें हूक सी भरतीं
खुलते पंख मयूरों के
चातक रटता पिहू पिहू
छप्पर से मोती टपके
कोयल गाती कुहू कुहू

छमाछम नाचती बूंदें
सुरीली बांसुरी बजतीं
अंबर से उतरीं भू पर
नदी बनकर बहीं जातीं
समंदर को वरण करने
उलझतीं और टकरातीं

निज अस्तित्व खो देतीं
उसी में डूब सी जातीं
कहीं बहती है पुरवाई
कहीं बरपा कहर भारी
कहीं तो चांदनी बिखरे
कहीं घिरती है अंधियारी
प्रकृति का यही नर्तन
लताएं झूल सी उठतीं

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वशिष्ठ का आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि साहित्य कभी मर नहीं सकता और बदलते परिवेश में सोशल मीडिया और टीवी ने पुस्तकों से ध्यान हटाया है, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आज भी साहित्य खूब पढ़ा जा रहा है और पाठक प्रतिक्रिया भी खूब दे रहे हैं। उनकी नजर में लेखक जन्मजात होते हैं, उन्हें जबरन इजाद नहीं किया जा सकता।

साक्षात्कार ओ.पी. पाल

यथार्थ को कथ्य में समाहित करना आवश्यक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा के लेखकों ने विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार डॉ. सुरेश वशिष्ठ अपनी लेखनी के जरिए साहित्यिक और सांस्कृतिक साधना करने में जुटे हैं। उन्होंने एक रंगकर्मी, नाटककार, कथाकार और उन्यासकार के अलावा रंगकर्मी के रूप में सामाजिक सरोकारों के मुद्दों को उजागर करते हुए संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और अतीत से रूबरू कराने का प्रयास किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें कोई भी लेखक और कलाकार यथार्थ की हकीकत को कथ्य में समाहित करके अपनी संस्कृति से विमुख होती युवा पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक डा. सुरेश वशिष्ठ का जन्म 14 मार्च 1956 को दिल्ली के बरवाला गांव में पं. रघुवीर सिंह शर्मा व इन्द्रावती के घर में हुआ। वशिष्ठ के पूर्वज ठाकुरद्वारे की पूजा-अर्चना में पुजारी रहे और वाचन भी करते थे। उनके पिताजी दिल्ली के शिक्षा विभाग में शिक्षक, मुख्य शिक्षक और सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वहीं धार्मिक पुस्तकों का लेखन भी करते रहे। परिवार के ऐसे परिवेश में उनका प्रेरित होना स्वाभाविक था, जिसके चलते उन्हें लिखने की प्रेरणा मिलती रही है। बकौल सुरेश वशिष्ठ, उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव बरवाला में ही हुई। जबकि उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से पूरी की। बाद में उन्होंने जामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली से 'हिन्दी नाटक और रंगमंचः बर्टोल्ट ब्रेख्त का प्रभाव' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। उन्होंने दिल्ली सरकार के अधीनस्थ विद्यालयों में प्रवक्ता (हिन्दी) के पद पर अनेक वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद साल 2006 में द्वारा उनकी प्रधानाचार्य पर नियुक्ति हुई और इसी पद से वे 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुए। साहित्यिक अभिरुचि के चलते उन्होंने शुरू में व्रत कथाओं को लिखना शुरु किया। जब वे नौवीं कक्षा में थे, तो हरियाणा के सोनीपत के एक गाँव में उनके मामा उनके पिताजी को हरियाणा के किसी गाँव में हुई घटना सुना रहे थे, तो उन्होंने भी उसे सुना और अगले दिन उसे अपनी कलम से लिख डाला। इस पर उनके एक सहपाठी ने शिक्षक से उसके नोवल लिखने की शिकायत की। इस पर शिक्षक ने आँखें तरेरी और जो लिखा था, उसे दिखाने को कहा। उनके मन में था कि उसे डाँट पड़ेगी, लेकिन शिक्षक ने जब उनकी लिखी कहानी को पढ़ा और पूछा कि यह सब लिखने का विचार कैसे आया, बताने पर मुझे शाबाशी मिली और वह उनकी पहली कहानी थी। लेखन और साहित्यिक सफर में परेशानी को लेकर डा. वशिष्ठ का कहना है कि लिखना दिलचस्प भी है और दुखदाई भी। लेकिन यथार्थ में जो हो रहा है, उसे लेखन का विषय बनाया जाना चाहिए। उसके बाद उन्हें कथा-कहानी और शेरो-शायरी और फिर अभिनय का शौक चर्राया। कक्षा नौ में स्कूल के एक उत्सव में 'श्रवण कुमार' नामक नाटक में पहली बार अभिनय किया। फिर उन्होंने कॉलेज में अभिनय के साथ नाट्य लेखन की शुरुआत की और उनका पहला और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' इतना प्रसिद्ध हुआ कि उन दिनों उसके पूरे भारत में पाँच हजार से ज्यादा शो हुए। हरियाणवी उनकी मात्रभाषा है लेकिन वह अपना लेखन हिन्दी में ही करते हैं। उनकी कहानियां, लघुकथाएं, हिंदी के लोकनाट्य और कला रंग और लोक (आलोचना) जैसे आलेख और साक्षात्कार देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डा. सुरेश वशिष्ठ के साहित्य पर पीएचडी और एमफिल की उपाधि के लिए शोधकार्य भी हुए। उनके लेखन के फोकस में यथार्थ को दिखाना रहा है, क्योंकि रचनाकार की नजर यथार्थ पर जरूर रहनी चाहिए। डा. सुरेश वशिष्ठ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' में पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणा में, प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत नाट्य प्रमुख, प्रांत साहित्य प्रमुख जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। वहीं वे तीन वर्ष तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) में सदस्य रहे। इसके अलावा कला, रंग-कर्म और लेखन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वरिष्ठ ने करीब तीन दर्जन नाटक, करीब पाँच सौ कहानियाँ, दो दर्जन बाल पुस्तकें और पाँच उपन्यास लिखे हैं। उनके कहानी संग्रहों में प्रमुख रूप से खुरदरी जमीन, चली पिया के देश, सिपाही की रस्म, घेरती दीवारें, बहती धारा, लोकताल, श्रंगारण, नीर बहे, ताल मधुरम, झीनी-झीनी रोशनी (भाग-एक), छलकते कलश (भाग-दो), भुला नहीं सका हूँ कहानियाँ, रक्तचरित्र कहानियाँ, अधूरी दास्तान कहानियाँ, सफर कभी रुका नहीं कहानियाँ, निर्झर नीर (खंड-पांच) कहानियां, आदि शामिल हैं।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

डा. सुरेश वशिष्ठ को हिन्दी साहित्यकार गौरव सम्मान, साहित्यकार सम्मान, साहित्य आराधना सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, सारस्वत सम्मान, साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन,प्रस्तुत आलेख सम्मान, सामाजिक गौरव पुरूस्कार, विमल शुभ स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, शब्द शक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व-शान्ति सम्मान, डा.राधाकृष्णन सहस्राब्दि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, शिक्षक गौरव सम्मान, गौरक्षक एवं कला सम्मान आदि पुरस्कार एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सुरेश वशिष्ठ
जन्मतिथि : 14 मार्च 1956
जन्म स्थान : बरवाला गाँव, दिल्ली
वर्तमान निवास : गुरुग्राम, हरियाणा
शिक्षा : एम.ए (हिन्दी) बी.एड. पी-एच.डी.
संप्रति : साहित्यकार, रंगकर्मी, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार सेवानिवृत प्राचार्य

जीवन तक दर्शन समझाती 'जीवन के अंधेरे उजाले'

पुस्तक :जीवन के अंधेरे उजाले
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झंडई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा शशि कांत चौहान

डॉ. हरीशचंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'जीवन के अँधेरे उजाले' इंसान के जीवन की विविधताओं को दर्शाता है। जैसे जीवन में खुशियां और गम आते हैं। जैसा कि स्वयं कवि स्वयं लिखते है कि हमारे जीवन में कई भावनाएं रहती है, जिनसे हमारा जीवन प्रभावित होता है। यही जीवन का दर्शन है। इसी दर्शन से पाठक को रूबरू करवाती है पुस्तक 'जीवन के अँधेरे उजाले'। संग्रह में कुछ 82 कविताएं संकलित की गई है। इन कविताओं में इंसानी रिश्तों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक परिदृश्य देश हित, देशभक्ति और मातृशक्ति के प्रति चिंतन के साथ-साथ त्योहारों की सुंदरता का वर्णन भी देखने को मिलता है। 'कुछ अंधेरे कुछ उजाले' में कवि ने यह समझाने का प्रयास किया है कि इंसान की अपनी कभी नकारात्मक सोच के कारण कैसे जिंदगी प्रभावित होती है और यदि व्यक्ति धैर्य रखे तो समय बदलेगा और एक नई जिंदगी की शुरुआत होगी। संग्रह की पहली कविता बेटे की पुकार के माध्यम से एक परिवार के ऐसे बेटे का दर्द उभारा है जो बहन के प्यार के लिए तरसता है। ऐसे में इस कविता से कवि ने संदेश दिया है कि हमें आपकी बेटियों की रक्षा करनी चाहिए और भ्रूणहत्याएँ जैसे कलंक को समाज से मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। 'दिखती है कभी-कभी महिला शक्ति' में कवि ने समझाया है कि किस तरह से दमन के बावजूद महिलाएं अपने हौसले के दम पर ऊंचाइयों को छूती हैं और अपनी प्रतिभा साबित करती हैं। तब समाज का विस्मित कर देती हैं। 'प्रकृति की छाँव' के माध्यम से ५री सूरज की गर्मी और पक्षियों की चहचहाहट का जिक्र करते हुए कवि पे यह समझाने का प्रयास किय है कि इंसान के जीवन में कितनी भी कठिनाइयों आएं, लेकिन उन कठिनाइयोंत को अंत होना भी निश्चित है। जल ही शक्ति है कविता में डॉ. झंडई ने पानी का महत्व बताने का प्रयास किया है कि यह जीवन के लिए कितना आवश्यक है कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। इस रचना के जरिए कवि ने जल संरक्षण का संदेश दिया है। 'आओ हाथ बढ़ाएं' के माध्यम से कवि ने सभी का आह्वान किया है कि आज की बदलती दुनिया में हमें भी समय के साथ बदलना है। आइए हम दूसरों का मार्गदर्शन करें और दूसरों की तरफ हाथ बढ़ाएं। हरीशचंद्र झंडई के प्रस्तुत संग्रह की भाषा सहल, सरल एवं सीधी-सादी है। संग्रह की रचनाएं अपना संदेश पाठकों तक पहुंचाने में सफल नजर आती हैं। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

हिसार। दीवार की सफाई व पेंट के लिए पहुंची टीम।

सेक्टर 15 की दीवार पर बनाई सुंदर वर्ली आर्ट

हिसार। वर्षा ऋतु की एक सुबह। सुबह सुबह का सुहाना मौसम और हमारा प्यार हिसार के जज़्बे को सलाम। इस बार लक्ष्य था सेक्टर 15 की एक लम्बी दीवार पर वर्ली आर्ट बनाना जिस पर टेराकोटा कुछ समय पहले टीम द्वारा किया जा चुका था। टीम के सभी सदस्य रविवार सुबह पूरी तैयारी के साथ समय पर पहुंचे। किसी ने दीवार की सफाई की जिम्मेदारी संभाली तो कोई पेंट तैयार करने में जुटा। रंगों की बौछार, ब्रश की थापें और आपसी तालमेल—हर कार्य एक सुंदर समरसता में बहा।

मुकेश तंवर सीएडब्ल्यूस हिसार के उपप्रधान नियुक्त

हिसार। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी (सीएडब्ल्यूस) जिला हिसार द्वारा गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में लिपिक पद पर कार्यरत मुकेश तंवर को उपप्रधान नियुक्त किया गया है। यह फैसला जिला हिसार की कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया जिसमें सीएडब्ल्यूस के राज्य उपप्रधान अनिल ग्रेवाल, राज्य महासचिव सतीश ढाका, जिला प्रधान जितेन्द्र श्योराण, सरंक्षक राजेश कुमार घोटिया, ऑल हरियाणा यूनिवर्सिटी एम्पलाइज फेडरेशन के चेयरमैन व गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारी कल्याण संघ के पूर्व प्रधान विपिन वधवा व उप प्रधान दीपक जांगड़ा उपस्थित रहे।

रेस में यजत ने दो गोल्ड व हिमांशु ने रजत मैडल जीता

हांसी। एसजीएफआई के तहत ब्लाक स्तर पर स्कूल टूर्नामेंट, उमरा में आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में अंडर 14 में एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल के छात्र यजत ने 400 व 200 मीटर रेस में दो गोल्ड मेडल व 12वीं कक्षा से हिमांशु ने अंडर-19 में 100 मीटर की रेस मे रजत पद प्राप्त कर विद्यालय व अपने अभिभावकों के नाम को गौरवान्वित किया। विद्यार्थियों ने इस जीत को हासिल कर विद्यालय के नाम को रोशन किया।

ढूकड़ा में खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

बैडमिंटन में राजकीय विद्यालय दड़बा कलां की लड़कियों ने मारी बाजी

■ आज का बच्चा ही कल का जिम्मेदार नागरिक : सरपंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढूकडा में बैंडमिंटन, ऊंची कूद और कुश्ती के 11, 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के लड़कें-लड़कियों के स्कूल खंड स्तरीय खेलकूद मुकाबलों का आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में नाथूसरी चौपटा ब्लॉक के सभी विद्यालयों ने भाग लिया।

स्कूल की प्राचार्य मोना पुरी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्घाटन क्लस्टर मुखिया उमेद सिंह ढाका किया। इस मौके पर उमेद सिंह ढाका ने कहा कि विद्यालय ही वह धरती है, जहां भावी पीढ़ी का भविष्य संवरता है। ऐसी रचनात्मक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति और मूल्यों का सिंचन करती हैं। सरपंच राजिंदर ढूकड़ा ने कहा कि आज का बच्चा ही कल का जिम्मेदार नागरिक है। जब हम विद्यालयों में ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को जोड़ते हैं, तो हम केवल शिक्षा ही नहीं, संस्कार भी दे रहे होते हैं। विद्यालय की प्राचार्या मोना पुरी ने कहा कि हर बच्चा अपने भीतर संभावनाओं का एक संसार लेकर आता है। हमारा प्रयास है कि हम उन्हें ऐसा मंच दें जहां वे अपनी प्रतिभा, संवेदना और आत्मविश्वास को पंख दे सकें। यह प्रतियोगिता केवल एक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति का उत्सव है। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन भगवाना राम ने किया।

बैडमिंटन में आयु वर्ग 19 लड़कियों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दड़बा कलां ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयु वर्ग 19 लड़कों में मोड़िया खेड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद में आयु वर्ग 19 लड़कियों में जमाल स्कूल प्रथम रहा। आयु वर्ग 19 लड़कों में एस वी एस अरनियावली प्रथम रहा। वहीं कुश्ती के मुकाबलों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जोधका ओवरऑल चैंपियन रहा।

प्रतियोगिता के तीसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाया दम

■ प्रतियोगिता खेल प्रतिभा को निखारने का काम करती : प्राचार्य

कालांवाली। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कालांवाली में चल रहे खंड स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे दिन लड़के-लड़कियो ने एथलेटिक्स प्रतिस्पर्धा में अपना पूरा दमखम लगाया। प्रतियोगिता के दौरान प्राचार्य जगदेव सिंह गिल ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता खेल प्रतिभा को निखारने का काम करती है और आपके जीवन मे नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को प्रबल करती है। जानकारी देते हुए खंड मीडिया प्रभारी मनोहर लाल खनगवाल और खेल नोडल अधिकारी गगनदीप डीपीई ने बताया कि आज की एथलेटिक्स स्पर्धा अंडर -17 आयु वर्ग लडके 800मीटर दौड़स्पर्धा में गुरदीप सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कालांवाली प्रथम और रवि कुमार दशमेश स्कूल चोरमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 लड़कें 800 मीटर दौड़ में गौतम पीएमश्री विद्यालय पन्नीवाला मोटा ने प्रथम और गुरमेहर राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय कालांवाली ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर अंडर-19 आयु वर्ग लड़कियां 800 मीटर दौड़ में सुखप्रीत कौर पीएमश्री विद्यालय ओढां प्रथम स्थान, हरसिमरन कौर दशमेश स्कूल चोरमार द्वितीय स्थान और मनप्रीत कौर रा.व.मा. वि.देसु मलकाना तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 लड़कियां 5000 मीटर दौड़ स्पर्धा मे हरप्रीत कौर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कालांवाली प्रथम और हरसिमरन कौर दशमेश स्कूल चोरमार द्वितीय स्थान पर रही। अंडर-19 लडके, 200 मीटर दौड़ स्पर्धा में संजय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पिपली प्रथम स्थान,पवन पीएमश्री पन्नीवाला मोटा द्वितीय और अश्वनी माता हरकी देवी विद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर -17 लडके 500 मीटर दौड़ स्पर्धा में पारुल पीएमश्री विद्यालय पन्नीवाला मोटा ने प्रथम, मुकेश वर्धमान जैन स्कूल जलालआना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में रविदास,रमेश नंदा, प्रदीप मलिक,राजेंद्र कौशिक,राजेंद्र शर्मा,पारुल,गुरचरण सिंह, का विशेष सहयोग रहा।

दयानंद कॉलेज में 16-17 को होगी पांचवीं जिला योगासन खेल स्पर्धा

■ योगासन खिलाड़ी दिखाएंगे अद्वितीय प्रतिभा, इस बार होंगे 10 इवेंट

हिसार। योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन, हिसार की ओर से हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं योगासन भारत के सहयोग से पांचवीं जिला योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन 16 एवं 17 अगस्त को दयानंद कॉलेज में किया जाएगा। प्रतियोगिता की रूपरेखा और तैयारी के लिए विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के राज्य प्रभारी ईश कुमार आर्य ने की। बैठक में आयोजन समिति के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय अलाहवादी एवं सचिव अनुज कौशिक ने बताया कि यह प्रतियोगिता ओपन चैंपियनशिप के रूप में होगी ताकि कोई भी योग्य खिलाड़ी प्रतियोगिता से वंचित न रहे। प्रतियोगिता में 10 वर्ष से 55 वर्ष तक के विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ी (बालक-बालिका अलग-अलग) भाग लेंगे। मीडिया कमेटी योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के डायरेक्टर सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी ने बताया कि प्रतियोगिता वर्ग सब-जूनियर (10+ से 14 वर्ष)जूनियर (14+ से 18 वर्ष) सीनियर (18+ से 28 वर्ष) सीनियर ए (28+ से 35 वर्ष) सीनियर बी (35+ से 45 वर्ष) सीनियर सी (45+ से 55 वर्ष) होंगे।

गांव नुहियांवाली में अंडर-14 क्रिकेट टीम का गठन

नशे और मोबाइल के दुरुपयोग को लेकर बच्चों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओढां

सिरसा। गांव नुहियांवाली में बच्चों को नशा व मोबाइल के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूक करते हुए।

गांव नुहियांवालीं में बच्चों में नशे और मोबाइल की लत से दूर रखने के लिए अंडर-14 क्रिकेट टीम का गठन किया गया। उन्होंने नशा मुक्त युवा, स्वच्छ भारत की पहचान और मोबाइल नही मैदान चुनो जैसे नारों के साथ गांव में जन जागरूकता का संदेश दिया।

इस अभियान के आयोजक बिंदर सिंह ओर सतपाल गोदारा ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को नशे और मोबाइल से दूर रखकर उन्हें खेलकूद, शारीरिक गतिविधि व सामाजिक सहयोग की ओर प्रेरित करना है। आयोजकों ने कहा कि आज के समय में नशा और मोबाइल, दोनों ही बाल मानसिकता को प्रभावित कर रहे हैं। इन्हें दूर करने के लिए खेल एक शक्तिशाली माध्यम है। उन्होंने बताया कि बच्चों पर मोबाइल फोन के कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं, जिनमें मानसिक विकास में बाधा, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर, खराब आदतें, और डिप्रेशन शामिल हैं। बच्चों का मोबाइल फोन के प्रति अत्यधिक लगाव उनकी एकाग्रता, सामाजिक कौशल और शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है। मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बच्चों का मानसिक विकास बाधित हो सकता है। वे दूसरों से मिलने-जुलने और अन्य गतिविधियों में रुचि खो सकते हैं, जिससे उनके मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मोबाइल फोन से निकलने वाली रेडिएशन बच्चों में न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का खतरा बढ़ा सकती है। इससे बच्चों के चलने, सांस लेने और नई चीजें सीखने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। मोबाइल फोन की लत बच्चों में खराब आदतें पैदा कर सकती है। वे किसी भी काम में ध्यान केंद्रित करने में सक्षम नहीं होते हैं और यदि उनसे मोबाइल फोन ले लिया जाए तो वे रोने या जिद करने लगते हैं।

मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बच्चों में डिप्रेशन और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। वे गुस्सैल हो सकते हैं और सामाजिक रूप से अलग-थलग महसूस कर सकते हैं। इस अवसर पर गांव के युवा बच्चें काफ़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

कांग्रेस को संगठित करके सत्ता में लाना ही लक्ष्य : बीरेन्द्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। बैठक के बाद बातचीत करते पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह ने कहा है कि हरियाणा की कांग्रेस को संगठित कर पुनः सत्ता में लाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि हिसार लोकसभा क्षेत्र के नौ, जींद के चार, कलायत व फतेहाबाद विधानसभा समेत कुल 15 विधानसभाओं की पांच अलग-अलग बैठकें आयोजित की जाएंगी।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह ने की। उन्होंने बताया कि सभी 15 विधानसभाओं में होने वाली बैठकें क्रमशः जींद, हांसी, कलायत, बरवाला और आदमपुर में होंगी। हर बैठक में तीन विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि हिसार लोकसभा क्षेत्र के हर गांव से पांच से सात कार्यकर्ताओं को जोड़ा जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि पहली बैठक 20 अगस्त को स्व. राजीव गांधी की जयंती पर सद्भावना दिवस के रूप में जींद में आयोजित की जाएगी, जिसमें जींद, जुलाना व सफीदों के सभी गांवों से कांग्रेसजन भाग लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इन बैठकों में प्रबुद्ध वर्ग के लोगों व वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को बुलाया जाएगा, जो कांग्रेस और आरएसएस की विचारधारा का अंतर स्पष्ट करेंगे। भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि आज प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है, अपराध व जातीय तनाव बढ़ रहा है। बैठक में गायत्री यादव, जगदीश मान, दलजीत पंघाल, परमिन्द्र सहरावत, विकास बिडलान, राजवीर वर्मा, शैलेश वर्मा, करतार बाल्मीकी, अशोक सिवाच, रघवीर (एडवोकेट, अम्बेडकरवादी), कुलदीप बाल्मीकी, बलबीर अजमेरा (नायक नेता), विरेन्द्र किरोड़ी, इन्द्र सिंह लाखलान (पूर्व प्रधानाचार्य) व हिसार नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व संचालक डॉ. नरेंद्र यादव भी मौजूद थे।

हकृवि में चौथे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न परीक्षार्थियों की 82 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज

■ एमएससी एग्रीकल्चर, एमएससी कम्युनिटी साइंस, एमएफएससी व एमटेक एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग की परीक्षा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एमएससी एग्रीकल्चर, एमएससी कम्युनिटी साइंस, एमएफएससी व एमटेक एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग की चौथे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू ढंग से संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए परीक्षा में परीक्षार्थियों की 82 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते रहें।

तीजोत्सव पखवाड़ा के तहत किया पौधरोपण

हांसी। शहीद भगत सिंह संगठन समिति के प्रधान सरदार कृष्ण इलावादी के नेतृत्व में शहीदों को प्रणाम करते हुए व याद करते हुए तीज उत्सव पखवाड़ा में शहीद भगत सिंह व शहीद मदन लाल ढींगरा पार्क में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए केला के पौधे लगाए। प्रधान सरदार इलावादी ने कहा कि केला के पेड़ों को हिन्दू धर्म में शुभ व पवित्र माना गया है क्योंकि केला के पेड़ शादियों, पुजा अर्चना व शुभ मुहुर्त में बहुत काम आते है। केला के पेड़ जहां शुभ है वही इनके पेड़ का तेल व फल खाने के काम आते हैं। किशोरी नागपाल ने कहा कि पौधे व पेड़ लगाने के लिए सावन का महीना सबसे बढ़िया माना जाता है। रामस्वरूप खट्टर ने कहा कि हांसी में पार्कों की सफाई ना के बराबर है और नगर परिषद हांसी लाखों रूपये महीना पार्कों के रख-रखाव पर खर्च करती है, लेकिन यह सारा रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। इस अवसर पर रामस्वरूप खट्टर, कर्मवीर पुट्टी आदि मौजूद रहे।

महिलाओं की संगठन सृजन बैठक को किया संबोधित

भाजपा शासन में खौफ के साए तले जीने को विवश हैं महिलाएं : कृष्णा फौगाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। संगठन सृजन बैठक के दौरान कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट महिलाओं के साथ।

जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि भाजपा शासन में महिलाएं स्वयं को असुरक्षित महसूस करती हैं क्योंकि इस शासन में महिलाओं के प्रति अपराधों व घरेलू हिंसा की घटनाओं में खासी बढ़ौतरी हुई है। कृष्णा फौगाट रविवार को महिलाओं की संगठन सृजन बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपानीत सरकारों में कोई भी वर्ग सुरक्षित नहीं है। जहां एक ओर महिलाओं के प्रति गंभीर अपराधों के ग्राफ में बेइंतहा बढ़ौतरी हुई है वहीं दूसरी ओर व्यापारियों से भी सरेआम फिरौती मांगकर उन्हें भय के साए तले जीने को विवश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इस दौर से मुक्ति के लिए कांग्रेस पूरी मजबूती से सड़क से लेकर संसद तक संघर्षरत है और इस संघर्ष में कांग्रेस को सभी वर्गों का भरपूर लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से आरंभ किए गए महिला सृजन अभियान के तहत दिनोंदिन अनेकानेक महिलाएं कांग्रेस की कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर संगठन में जुड़ रही हैं और भाजपा के खिलाफ हल्ला बोल रही हैं। कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष फौगाट ने उपस्थित महिला समूह से अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं को कांग्रेस से जोडने का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस की पृष्ठभूमि संघर्षमय जीवन की परिचायक है और देश को अंग्रेजों से मुक्ति दिलाने में पार्टी के महान नेताओं का खासा योगदान रहा है।

सतर्क पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने नागरिकों को साइबर अपराध को लेकर किया सचेत

क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट के नाम पर जालसाजी से रहें सतर्क : एसपी

■ धोखाधड़ी से संबंधित शिकायत के लिए 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद सिद्धांत जैन ने आम नागरिकों को क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी ऑनलाइन धोखाधड़ी को लेकर सचेत किया है।

हाल के महीनों में कुछ साइबर ठगों द्वारा फर्जी निवेश योजनाएं, गारंटीड रिटर्न और डिजिटल संपत्ति में त्वरित मुनाफे का झांसा देकर लोगों से बिटकॉइन, इथेरियम सहित अन्य क्रिप्टो संपत्तियों में निवेश कराकर लाखों रुपये की ठगी किए जाने के मामले सामने आए हैं।

एसपी ने यह जारी की एडवाइजरी : 1. क्रिप्टोकरेंसी एक अनियमित डिजिटल मुद्रा है, जिसे भारत सरकार द्वारा वैधानिक भुगतान माध्यम के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है। इसमें निवेश करना पूर्णतः जोखिमपूर्ण है।

2. किसी अनजान व्यक्ति, वेबसाइट या सोशल मीडिया पेज के माध्यम से प्राप्त हुए क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट ऑफर, गारंटीड रिटर्न, या मल्टीलेवल स्कीम से सतर्क रहें।

3. यदि कोई आपसे क्तक्र कोड स्कैन कराने, संदिग्ध लिंक भेजने या रिमोट एक्सेस ऐप्स से आपके डिवाइस पर नियंत्रण प्राप्त कर क्रिप्टोकरेंसी खरीदने को कहता है, तो यह साइबर ठगी हो सकती है।

4. किसी भी प्रकार के निवेश से पूर्व उस प्लेटफॉर्म की प्रामाणिकता की जांच अवश्य करें , और आवश्यकता पडने पर सेबी या आरबीआई की वेबसाइट से मार्गदर्शन लें।

5. क्रिप्टोकरेंसी या किसी अन्य ऑनलाइन धोखाधड़ी से संबंधित शिकायत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें।

पहले ले जानकारी

डिजिटल युग में सजग नागरिक बनें। हर ऑनलाइन स्कीम को सच न मानें। क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से पहले पूरी जानकारी लें और सोच-समझकर निर्णय लें। आपकी मेहनत की कमाई ठगों के हाथ न लगने पाए फतेहाबाद पुलिस आपकी सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर है।

- सिद्धांत जैन
एसपी फतेहाबाद

6. यदि आपने गलती से कोई वित्तीय लेन-देन कर दिया है, तो तुरंत अपने बैंक को सूचित करें और निकटतम थाना या साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं।

जीवन में प्रतिकूलता आने पर भगवान के द्वार पर हो जाता समाधान : साध्वी निष्ठानंद

■ आज पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगी श्रीरामकथा, लंगर प्रसाद का होगा वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में श्रीरामकथा में श्रीराम जन्म की झांकी के दर्शन करते श्रद्धालु।

मोक्ष वृद्धाश्रम में चल रही श्रीरामकथा में श्रीराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान निकाली गई श्रीराम जन्म की झांकी देखकर श्रद्धालु व बुजुर्ग अभिभूत हो गए और पूरा मोक्ष वृद्धाश्रम जय श्रीराम के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर हिसार की विधायक सावित्री जिंदल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रही।

इस दौरान शकुंतला राजलीवाला, डॉ. शमीम शर्मा, संस्कृति ग्रुप से विनिता जैन, रेणु लाहौरिया व तरुणा ढांडा, श्यामा श्याम मंडल से कमल अग्रवाल, पूनम गर्ग, पायल, नीलम, ममता, संतोष जांगड़ा, ममता, दर्शना व बिमला, अग्रवाल महिला विकास समिति से अनुपमा अग्रवाल, अमिता गुप्ता, निशा गुप्ता, रीना सातरोडिया, अनीता गोयल व इंदु गुप्ता, परफेक्ट हेल्थ वीरांगना ग्रुप से सुनीला सिंह, कमला, कुसुम, शांता अरोड़ा, लक्ष्मी व कृष्णा और कविता अग्रवाल, शकुंतला गुप्ता, डॉ. वेद पूनिया आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सिरसा। ललित जैन को स्मृति चिह्न भेंट करते गौशाला कमेटी के सदस्य।

गोमाता के लिए किया गया सहयोग व्यर्थ नहीं जाता : जैन

सिरसा। जयदेव-सहदेव जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान ललित जैन बाबा सोमनाथ गौशाला जोधपुरिया में दो लाख रुपये का आर्थिक सहयोग दिया है। इस मौके पर ललित जैन ने कहा कि गौ की सेवा सबसे बड़ा पुण्य है। गौमाता न केवल हमें दूध देती है, बल्कि कई बिमारियों से भी सुरक्षित रखती है। गौ माता की सेवा के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। जैन ने कहा कि गौमाता के लिए किया गया सहयोग कभी व्यर्थ नहीं जाता और गौमाता उसे कई गुणा बढ़ाकर खुशियों के रूप में हमें लौटाती है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि अपने सामथ्र्य अनुसार गौसेवा में सहयोग करें, ताकि बेहतर तरीके से गौवंश का पालन-पोषण हो सके। गौशाला कमेटी ने ललित जैन को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

किसान सभा का त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन 24 को

फतेहाबाद। अखिल भारतीय किसान सभा जिला फतेहाबाद का त्रिवार्षिक सम्मेलन 24 अगस्त को शहीद चन्द्रशेखर आजाद भवन, फतेहाबाद रोड, भूना में आयोजित किया जाएगा। इस जिला सम्मेलन में मुख्य वक्ता के तौर पर राज्य अध्यक्ष मा. बलबीर सिंह तथा राज्य सचिव सुमित दलाल भाग लेंगे। यह जानकारी देते हुए किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में जिलाभर से चुने हुए प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसके अलावा 4 और 5 अक्टूबर को राज्य सम्मेलन भट्टू में होगा। इस मौके पर खुला अधिवेशन को राष्ट्रीय नेता संबोधित करेंगे। जिला प्रधान ने कहा कि किसान सभा की स्थापना आजादी आंदोलन के समय 11अप्रैल 1936 में लखनऊ में प्रथम सम्मेलन के साथ हुई। उस समय प्रमुख कार्य देश को आजाद करवाना, देश के किसान मजदूरों के हो रहे हर तरह के शोषण को खत्म करके उनके जीवन को खुशहाल बनाना था। नारा दिया गया धन और धरती का बंटबारा होगा।

स्वतंत्रता दिवस तक तीन चरणों में तिरंगा अभियान

सिरसा। केन्द्र सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में लगातार चौथे वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान मनाया जा रहा है। 'हर घर तिरंगा' अभियान 15 अगस्त तक तीन चरणों में चलेगा। पहला चरण 8 अगस्त तक, दूसरा चरण 9 से 12 अगस्त तक तथा तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त शान्तनु शर्मा ने रविवार को बताया कि पहले चरण में 8 अगस्त तक स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों आदि में प्रदर्शनियों का आयोजन होगा। स्कूल, कालेज व सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएं और प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही सैनिकों और पुलिसकर्मियों को 'आभार पत्र' लिखकर डाक विभाग के समन्वय से राखियां भेजी जाएंगी। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में 9 से 12 अगस्त के बीच 'तिरंगा महोत्सव' के रूप में आयोजन किया जाएगा।

करीब 48 हजार नशीले कैप्सूल बरामद, केस दर्ज

मेडिकल स्टोर की आड़ में नशे का धंधा, दो मेडिकल स्टोर सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने मेडिकल नशा बेचने में संलिप्त जिला के गांव जलालआना व ओढां में दो मेडिकल स्टोरों को सील किया है। पुलिस ने इस दौरान भारी मात्रा में नशे में प्रयुक्त होने वाले नशीले कैप्सूल भी बरामद किए हैं। पुलिस ने मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस जारी किया है। ओढां थाना प्रभारी ब्रह्मप्रकाश ने रविवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गांव जलालआना व ओढां क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों पर नशे में प्रयोग होने वाली दवाइयां बेची जा रही है और एक जीप में अवैध रूप से दवाइयों की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने औढ़ा से जलालआना रोड पर नाकाबंदी शुरु की तो कुछ ही देर में एक जीप आती दिखाई दी। पुलिस ने जीप को तलाशी के लिए रूकवा दिया। तलाशी के दौरान दो कोर्टूनों में 26,985 कैप्सूल सिग्मा व 21,450 कैप्सूल सिगलक्योर के बरामद हुए जो कि नशे में प्रयोग किए जाते हैं। जीप चालक जसविंद्र सिंह उर्फ जस्सू से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह औढ़ा में जस्स मेडिकल के नाम से मेडिकल स्टोर चलाता है। ये कैप्सूल उसके व जलालआना में स्थित सिद्धू मेडिकल स्टोर संचालक मनदीप सिंह के हैं। दोनों मेंडिकल स्टोरों पर सप्लाई किए जाने थे। पुलिस ने ड्रग इंस्पेक्टर सुनील कुमार को मौके पर बुलाकर दोनों मेंडिकल स्टोर की जांच की। जांच के दौरान कई अनियमितताएं मिली, जिस पर दोनों मेडिकल स्टोरों को सील कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मेडिकल स्टोर की आड़ में दवाओं की कालाबाजारी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस द्वारा निरंतर मेडिकल एसोसिएशन एवं दवा विक्रेताओं से संपर्क स्थापित कर उन्हें पुलिस का सहयोग करने को कहा जा रहा है ताकि दवा विक्रेता नशीली गोलियों को बिना किसी डाक्टरी सलाह एवं पर्ची के किसी को भी न दें। इसके अलावा कई नशीली गोलियां एनडीपीएस एक्ट में नहीं आतीं इसलिए इन गोलियां का अक्सर नशे में प्रयोग हो रहा है।

सिरसा। नशीली दवा मिलने पर मेडिकल स्टोर को सील करती पुलिस टीम।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भूना में विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम 5 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

बहन-भाई के पवित्र प्रेम के पर्व रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, भूना द्वारा 5 अगस्त, मंगलवार को विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से 11:30 बजे तक अग्रवाल धर्मशाला, भूना में आयोजित होगा।

रक्षाबंधन का महत्व

प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संचालिका ज्योति बहन ने बताया कि रक्षाबंधन केवल धागा बांधने का त्यौहार नहीं, बल्कि यह पवित्रता, सुरक्षा और आत्मिक प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एक परमपिता परमात्मा की संतान होने के नाते समस्त मानव जाति एक ही परिवार है। ऐसे में इस समय की आवश्यकता है कि हम आध्यात्मिक राखी के माध्यम से स्वयं को और समस्त आत्माओं को बंधनमुक्त करते हुए शुद्ध, प्रेमपूर्ण और सकारात्मक संकल्पों का संचार करें।

सेवा भाव जरूरी : बीके ज्योति बहन ने आगे कहा कि वर्तमान समय में जहां रिश्तों में कटुता और तनाव बढ़ता जा रहा है, वहीं इस पर्व के माध्यम से लोगों में भाईचारे, करुणा और सेवा भाव की भावना जागृत करना आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को न केवल राखी बांधी जाएगी, बल्कि उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान, ध्यान और जीवन में सकारात्मकता लाने के उपाय भी बताए जाएंगे।

पीर की मजार मे हुई चोरी की गुत्थी सुलझी, एक काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सदर थाना टोहान पुलिस ने ने धार्मिक स्थल में हुई चोरी की वारदात को सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निर्मल कुमार उर्फ गूगन, सोमनाथ उर्फ सोमा व सुनील कुमार तीनों निवासी गांव अकावाली के रुप मे हुई है। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से दो भारत गैस सिलेंडर, दो सेंटरिया कंपनी की इन्वर्टर बैटरियां, लगभग 2 हजार रुपये की नकदी व वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने जानकारी देते हुए बताया कि 2 अगस्त 2025 को गुरशरण सिंह मोंगा निवासी अकावाली ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता धार्मिक स्थल पीर बाबा खानगा की देखरेख करने वाली सोसायटी के प्रधान हैं। शिकायत के अनुसार, 1 और 2 अगस्त की रात को पीर स्थल पर रखे दो गैस सिलेंडर, इन्वर्टर बैटरियां और दान पात्र से करीब 2 हजार रुपये की नकदी अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी। इस मामले में पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया था और अब आरोपियों को काबू कर लिया गया है।

टैब वितरण घोटाले की निष्पक्ष जांच करवाए सरकार: सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाई उस समय खुलकर सामने आ गई जब कोविड काल में 700 करोड़ रुपये के खरीदे गए पांच लाख टैबलेट आज मात्र खिलौना बनकर रह गए है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह टैब घोटाले की निष्पक्ष जांच करवाकर आरोपी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, जिन्होंने टैब के नाम पर देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को प्रेस को जारी बयान में कहा है कि कोविड काल में सरकार स्कूलों के पांच लाख विद्यार्थियों को 700 करोड़ रुपये कीमत के टैब शैक्षणिक सत्र 2025-26 में बिना सिम और बिना नेट सुविधा के बंद पड़े है ये कब चालू होंगे किसी के पास कोई जवाब नहीं है फिलहाल तो ये मात्र खिलौना बने हुए हैं। सैलजा ने कहा कि यह योजना तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई थी पर मौजूदा सरकार ने इस योजना को ही पानी पिला दिया है।

देवेंद्र सिंह दहिया का अहरवां में हुआ सम्मान

■ मास्टर देवेन्द्र दहिया का जीवन रहा प्रेरणा का स्त्रोत : मुख्तयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव अहरवां स्थित गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल में भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के मुख्य शिक्षक देवेंद्र सिंह दहिया को उनकी सेवा निवृत्ति के अवसर पर सम्मानित किया गया। मास्टर दहिया ने वर्ष 2019 में इस विद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया था, और विगत छह वर्षों में उन्होंने शिक्षा व स्कूल के उत्थान में उत्कृष्ट योगदान दिया। उनके नेतृत्व में विद्यालय ने कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रगति की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच मुख्तयार सिंह ने कहा कि देवेन्द्र दहिया ने अपने कर्तव्य को सदैव निष्ठा और समर्पण के साथ निभाया। उनका जीवन और कार्यशैली अन्य शिक्षकों के साथ साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी रतिया शशीप्रकाश, पूर्व सरपंच इकबाल सिंह, जसवंत सिंह, रणजीत सिंह गिल, गुरप्रीत सिंह, एसएमसी प्रधान जोबनप्रीत सिंह ने पगड़ी पहना कर और मान सम्मान का प्रतिक सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ की ओर से राजेश वर्मा, सतीश पंवार, पवन जलंधरा, सुभाष बिश्नोई, भारत गोयल, राजेंद्र सिंह, जसकरण सिंह हुंडल, एसएमसी के पूर्व प्रधान जुबैर खान, सतीश वत्स, दलीप बिश्नोई, गुलाब सूंडा, जय भगवान बडाला, हिसार जिला प्रधान विवेक शर्मा, विनोद मुंड, मिथिलेश रोहिल्ला, सुरजीत झांझरा, सुरेंद्र, पूर्ण सिह, प्रदीप टुटेजा, राजेश कुमार, चंद्र बोस, सतीश कुमार, कमलेश व रोशनी देवी मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी शशी प्रकाश ने देवेन्द्र दहिया को सराहा।

फतेहाबाद। अहरवां में मुख्य शिक्षक देवेन्द्र दहिया को सेवानिवृति पर सम्मानित करते स्टाफ सदस्य।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की मासिक बैठक पांच अगस्त को

फतेहाबाद। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की मासिक बैठक 5 अगस्त मंगलवार को प्रातः 10 बजे पुराना बस स्टैण्ड, जाट धर्मशाला के पास स्थित रेस्ट हाऊस में होगी। इस मीटिंग में रिटायर्ड कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की जाएगी। यह जानकारी देते हुए संगठन के महासचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला प्रधान मुंशीराम कम्बोज करेंगे वहीं निहाल सिंह मताना व रिटायर्ड पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन के प्रधान रणधीर डबास विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक के माध्यम से सरकार से मांग की जाएगी कि कैशलेस मेडिकल सुविधा को लागू किया जाए और बंद पड़े इसके पोर्टल को जल्द खोला जाए। इसके अलावा कोरोना काल के दौरान 18 महीने के बकाया डीए का भुगतान करने, फैमिली पेंशनर्ज को एलटीसी की सुविधा देने, कम्युटेशन की रिकवरी 15 वर्ष से घटाकर 12 वर्ष में करने, रेलवे में 60 वर्ष की आयु के बाद पैंशनर्ज के लिए रियायती दर पर यात्रा सुविधा को पुनः लागू करने, 3 हजार रुपये मासिक चिकित्सा भत्ता देने की मांग की जाएगी। इसके अलावा जो कर्मचारी 58 वर्ष के बाद पैंशनर्ज आता है तो उसे 59 वर्ष बाद 1 प्रतिशत, 60 वर्ष बाद 2 प्रतिशत व अन्य बढ़ोतरी की जाए।

मनुष्य को हमेशा अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए: सुनंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

अनाजमंडी रोड स्थित जैन स्थानक में चल रहे चातुर्मास कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए जैन महासाध्वी श्री सुनंदा जी महाराज, सुसाध्वी श्री सम्यक श्री जी महाराज एवं श्री सिद्धायिका जी महाराज ने कहा कि हिंसा किसी भी समस्या का हल नहीं है इसलिए हमें हमेशा अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए प्रेम-प्यार का संदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिद व गुस्सा इंसान के जीवन को नरक बना देता है इसलिए व्यक्ति को दोनों बुरायों से दूर रहना चाहिए।

आज इंसान गुस्से व जिद के कारण आपा खो बैठता है जिसको लेकर वह कई बार ऐसा कार्य कर बैठता है जिसके लिए उसे उम्र भर पछताना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अहिंसा का मार्ग ही सरल व सुखम मार्ग है इसलिए इंसान को अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए प्रभु का सिमरन व धर्म का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिद ऐसी दीवार है जो प्रत्येक रिश्ते को समाप्त कर देती है। जिद के कारण कई बार इंसान अपना हरा-भरा परिवार खत्म कर लेता है।

रतिया में प्रवचन सुनते श्रद्धालु।

बड़ोपलिया बने अग्रवाल समाज के प्रधान

■ अग्रवाल के समाज के पहली बार हुए चुनाव, गर्ग वरिष्ठ उपप्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अग्रवाल धर्मशाला में रविवार को संपन्न हुए अग्रवाल समाज फतेहाबाद रजिस्टर्ड के चुनाव में मनोज गर्ग बड़ोपलिया प्रधान, प्रयास गर्ग वरिष्ठ उपप्रधान, पीतांबर सिंगला सह सचिव तथा अमित बंसल कोषाध्यक्ष पद पर चुने गए। इससे पहले सचिव पद के लिए ललित गोयल व उपप्रधान पद के लिए देसराज बंसल को निर्विरोध चुन लिया गया था। रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में चुनाव अधिकारी राकेश गर्ग एडवोकेट की देखरेख में संपन्न हुए अग्रवाल समाज के चुनाव में कुल 590 मतदाताओं में से 563 मतदाताओं ने अपने मतदाधिकार का प्रयोग किया। इस चुनाव में प्रधान पद के लिए वेद मंगल व मनोज बड़ोपलिया के बीच मुकाबला था। पोल हुए 563 मतों में मनोज बड़ोपलिया को 306 व वेद मंगल को 256 मत मिले। एक मत रद्द कर दिया गया। मनोज बड़ोपलिया 50 मतों से विजयी घोषित किया गया। इसी प्रकार वरिष्ठ उपप्रधान पद के लिए प्रयास गर्ग को 248, सुशील गोयल को 239 व अमित गर्ग को 74 मत मिले। इस तरह प्रयास गर्ग को 9 मतों से विजयी घोषित किया गया। सह सचिव पद के लिए पीतांबर सिंगला को 339 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी अजय मंगल को 212 मत मिले। पीतांबर सिंगला को 137 मतों से विजयी घोषित किया गया। कोषाध्यक्ष पद के लिए अमित बंसल को 338, सतीश गर्ग को 213 मत मिले।

फतेहाबाद। अग्रवाल धर्मशाला में वोट डालते । फोटो :हरिभूमि

फल विक्रेता के नौकर की सीसीटीवी फुटेज आई सामने

■ दुकान से 4.80 लाख रुपये लेकर हो गया था फरार, पुलिस ने दी उत्तर प्रदेश में दी दबिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भूना सब्जी मंडी भूना में होलसेल फ्रूट विक्रेता की दुकान से 4 लाख 80 हजार रुपये की नकदी चोरी मामले में आरोपी नौकर की सीसीटीवी फुटेज मिली है, जिसमें वह वारदात के बाद दुकान से निकलते दिखाई दे रहा है। पुलिस और व्यापारी आरोपी की तलाश में उत्तर प्रदेश रवाना हुए, लेकिन रविवार दोपहर तक सफलता नहीं मिल पाई थी। थाना प्रभारी ओमप्रकाश बिश्नोई ने बताया कि आरोपी नौकर विकास संखवार कौरी निवासी चंद्रपुर, कन्नौज (उत्तर प्रदेश) में किराए के मकान में रहने की सूचना मिली है। सब-इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार बिश्नोई के नेतृत्व में पुलिस टीम वहां पहुंच चुकी है और आरोपी के रिश्तेदारों व परिचितों के ठिकानों पर दबिश दी जा रही है, ताकि जल्द से जल्द उसे गिरफ्तार किया जा सके। भूना सब्जी मंडी की दुकान नंबर 10 के मालिक मनोज कुमार उर्फ मौजू चुघ ने विकास संखवार को पांच साल पहले नौकर रखा था। लंबे समय से विश्वास जीत चुके इस नौकर को दुकान की देखरेख का पूरा जिम्मा अक्सर सौंपा जाता था। 1 अगस्त को सब्जी मंडी की मासिक छुट्टी होने के कारण दुकान मालिक हिसार गए हुए थे। इसी दौरान आरोपी ने मौका पाकर काउंटर के दराज का ताला तोड़ा और 4.80 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गया।

फतेहाबाद। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी नौकर विकास संखवार कौरी निवासी चंद्रपुर, कन्नौज (उत्तर प्रदेश)। फोटो :हरिभूमि

पुलिस कर्मचारियों ने थानों में की साफ-सफाई

■ पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कर्मचारियों के योगदान को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले के समस्त थानों, चौकी एवं क्राइम यूनिटों में हर रविवार को स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया गया। इस अभियान में पुलिस कर्मचारी स्वयं निष्ठा, समर्पण और उत्साह के साथ अपने कार्यस्थल की साफ-सफाई कर रहे हैं। यह पहल केवल स्वच्छता तक सीमित न होकर, कर्तव्यपरायणता, अनुशासन और आत्मसम्मान जैसे मूल्यों की पुनर्स्थापना का भी माध्यम बन रही है।

इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छ थाने-सुरक्षित समाज की अवधारणा को साकार करना है। थानों को न केवल व्यवस्थित और नागरिक अनुकूल बनाना इस अभियान का लक्ष्य है, बल्कि समाज के समक्ष यह भी उदाहरण प्रस्तुत करना है कि हर संस्था यदि अपने दायित्वों को समझे, तो सामूहिक विकास और जनकल्याण संभव है। श्रमदान की यह पहल पुलिस विभाग के सामाजिक सरोकारों को भी दर्शाती है। आमजन के मन में पुलिस के प्रति सम्मान, भरोसा और सहभागिता की भावना और अधिक प्रगाढ़ हो रही है।

महकमे को प्रेरक संस्था के रूप में भी स्थापित कर रहे : एसपी

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन का यह अभिनव प्रयास जिले की पुलिसिंग को नई दिशा, नई पहचान और जनहितैषी छवि प्रदान कर रहा है। यह कदम न केवल प्रशासनिक दक्षता को सुदृढ़ करता है, बल्कि पुलिस महकमे को प्रेरक संस्था के रूप में भी स्थापित कर रहा है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सबको मिलकर उठाने होंगे कदम: सुभाष बराला

सीडीएलयू में जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन, दो हजार से अधिक पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसे गंभीर समस्याओं के समाधान की दिशा में उठाए जा रहे छोटे-छोटे कदम बहुत बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। हमें समझना होगा कि अगर हम आज हरियाली को नहीं बचाएंगे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध हवा और पानी सपना बन जाएगा। पर्यावरण संरक्षण किसी एक की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक का कर्तव्य है। इसलिए हम सभी को मिलकर पर्यावरण संरक्षण के लिए कदम उठाने होंगे और धरा को स्वच्छ व हरा भरा बनाना होगा। सुभाष बराला रविवार को चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में आयोजित 76वें जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में 2000 से ज्यादा पौधे लगाए गए। वहीं, वनों को बढ़ावा देने व उनके संरक्षण की जानकारी के साथ-साथ आमजन में जागरूकता पैदा करने के लिए मौके पर स्टॉल लगाकर निःशुल्क पौधे बांटे गए। इसके अलावा जिला सिरसा को हरा भरा बनाने में सराहनीय योगदान देने वाले नागरिकों को भी सम्मानित किया गया। । सीडीएलयू के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर को हरित बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सिरसा यतिंद्र सिंह एडवोकेट, जिलाध्यक्ष डबवाली रेणू शर्मा, वेद फुलां ने भी पर्यावरण संरक्षण पर संदेश दिया।

धरती मां के प्रति हमारी जिम्मेदारी

सुभाष बराला ने कहा कि आज का यह आयोजन सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हमारी धरती मां के प्रति हमारी जिम्मेदारी और श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं जो न केवल पर्यावरण बचाने में मदद कर रही हैं, बल्कि आम जनता को भी इस अभियान में भागीदार बना रही हैं। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' सिर्फ एक स्लोगन नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और सामाजिक आंदोलन है

सिरसा। सीडीएलयू में आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते सुभाष बराला तथा पौधारोपण करते हुए। फोटो :हरिभूमि